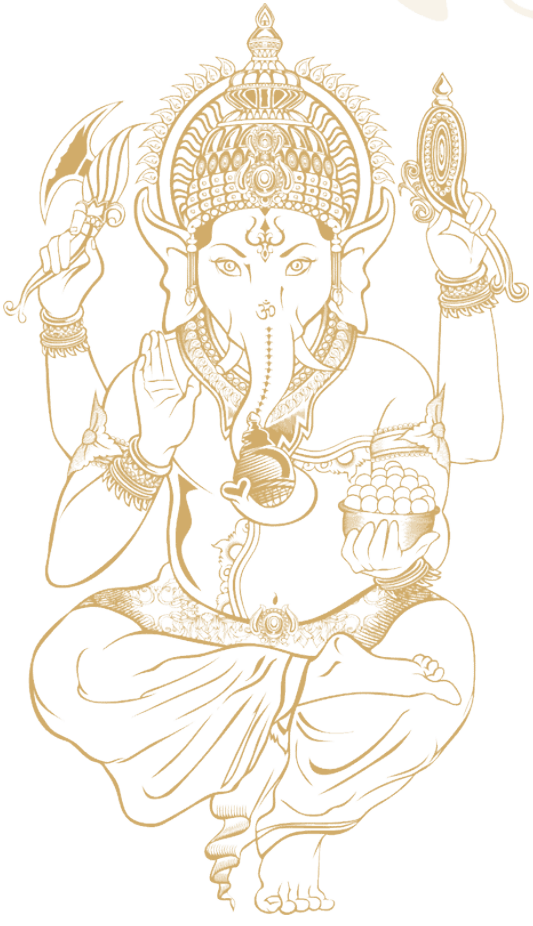

Divyanshu kumar

16 Mar 2006

11:00 AM

Motihari

Model: web-freekundliweb

Order No: 121729908

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/03/2006**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:00:00 घंटे**
इष्ट	12:31:37 घटी
स्थान	**Motihari**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:40:00 उत्तर
रेखांश	84:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:09:40 घंटे
वेलान्तर	-00:08:44 घंटे
साम्पातिक काल	22:44:21 घंटे
सूर्योदय	05:59:21 घंटे
सूर्यास्त	17:59:11 घंटे
दिनमान	11:59:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:32:35 मीन
लग्न के अंश	00:10:00 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वृद्धि
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ष-षडबली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	00:10:00	340:02:37	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			मीन	01:32:35	00:59:44	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	15:09:28	11:58:46	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल			वृष	19:49:25	00:32:49	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	23:32:05	00:52:17	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
गुरु	व		तुला	24:42:46	00:02:08	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मक	15:23:29	00:55:00	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	10:48:22	00:02:10	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
राहु			मीन	10:21:52	00:00:10	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
केतु			कन्या	10:21:52	00:00:10	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	17:37:03	00:03:22	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	---
नेप			मक	24:42:30	00:01:55	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	02:45:46	00:00:26	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	15:34:42	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:36

लग्न-चलित

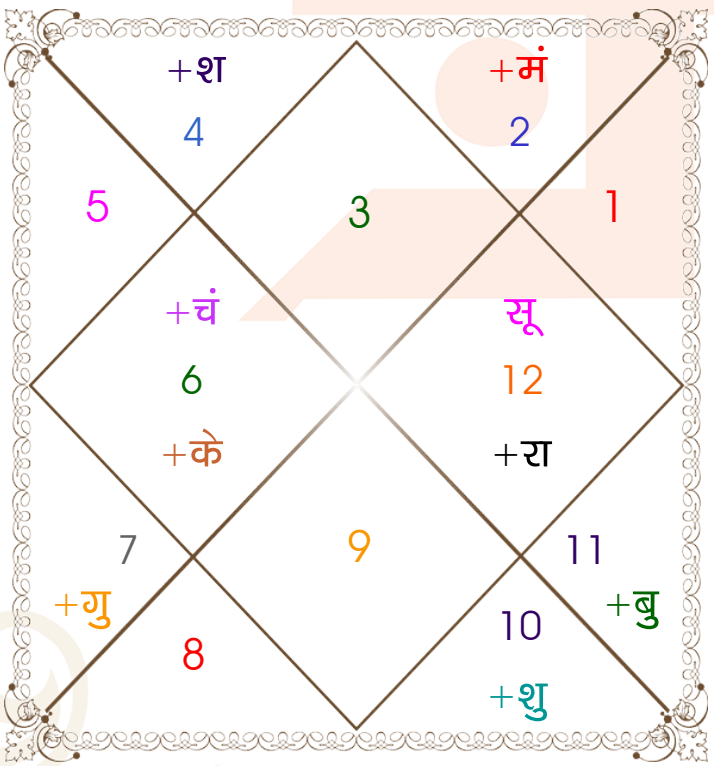

चन्द्र कुंडली

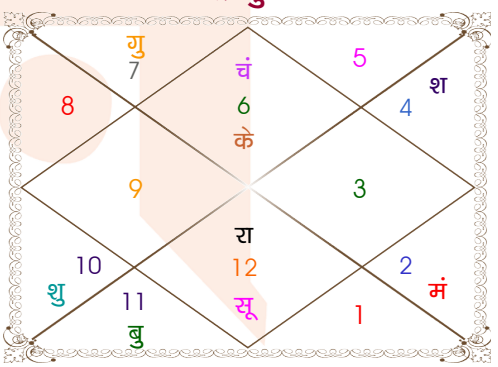

नवमांश कुंडली

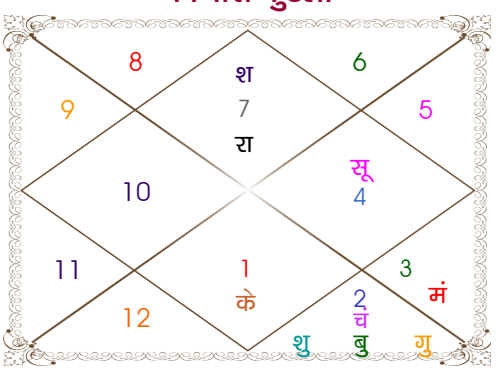

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 1 मास 17 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/03/2006		03/05/2012		03/05/2019		03/05/2037		03/05/2053	
03/05/2012		03/05/2019		03/05/2037		03/05/2053		03/05/2072	
	00/00/0000	मंगल	29/09/2012	राहु	13/01/2022	गुरु	21/06/2039	शनि	06/05/2056
	00/00/0000	राहु	17/10/2013	गुरु	08/06/2024	शनि	01/01/2042	बुध	14/01/2059
	16/03/2006	गुरु	23/09/2014	शनि	15/04/2027	बुध	08/04/2044	केतु	23/02/2060
गुरु	02/08/2006	शनि	02/11/2015	बुध	01/11/2029	केतु	15/03/2045	शुक्र	24/04/2063
शनि	03/03/2008	बुध	29/10/2016	केतु	20/11/2030	शुक्र	14/11/2047	सूर्य	05/04/2064
बुध	02/08/2009	केतु	27/03/2017	शुक्र	20/11/2033	सूर्य	01/09/2048	चंद्र	04/11/2065
केतु	03/03/2010	शुक्र	27/05/2018	सूर्य	14/10/2034	चंद्र	01/01/2050	मंगल	14/12/2066
शुक्र	02/11/2011	सूर्य	02/10/2018	चंद्र	14/04/2036	मंगल	08/12/2050	राहु	20/10/2069
सूर्य	03/05/2012	चंद्र	03/05/2019	मंगल	03/05/2037	राहु	03/05/2053	गुरु	03/05/2072

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
03/05/2072		03/05/2089		03/05/2096		04/05/2116		04/05/2122	
03/05/2089		03/05/2096		04/05/2116		04/05/2122		00/00/0000	
बुध	29/09/2074	केतु	29/09/2089	शुक्र	02/09/2099	सूर्य	21/08/2116	चंद्र	04/03/2123
केतु	26/09/2075	शुक्र	29/11/2090	सूर्य	02/09/2100	चंद्र	20/02/2117	मंगल	03/10/2123
शुक्र	27/07/2078	सूर्य	06/04/2091	चंद्र	04/05/2102	मंगल	28/06/2117	राहु	03/04/2125
सूर्य	03/06/2079	चंद्र	05/11/2091	मंगल	04/07/2103	राहु	22/05/2118	गुरु	17/03/2126
चंद्र	01/11/2080	मंगल	02/04/2092	राहु	04/07/2106	गुरु	11/03/2119		00/00/0000
मंगल	29/10/2081	राहु	21/04/2093	गुरु	04/03/2109	शनि	21/02/2120		00/00/0000
राहु	18/05/2084	गुरु	28/03/2094	शनि	04/05/2112	बुध	27/12/2120		00/00/0000
गुरु	24/08/2086	शनि	06/05/2095	बुध	04/03/2115	केतु	04/05/2121		00/00/0000
शनि	03/05/2089	बुध	03/05/2096	केतु	04/05/2116	शुक्र	04/05/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 1 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।